C. प्रकार्यों में परिवर्तन

1. यौन संबंधों के नियमनकर्ता के रूप में परिवार के महत्व में कमी
2. समाजीकरण की एजेंसी के रूप में परिवार के महत्व में कमी
3. नातेदारों के प्रति परिवार की भूमिका में कमी
4. मनोरंजन की एजेंसी के रूप में परिवार के महत्व में कमी
5. लोककल्याणकारी राज्य एवं NGO की बढ़ती भूमिका के कारण सदस्यों के सामाजिक आर्थिक सुरक्षा संबंधी प्रकार्यों में कमी

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

D. अन्य परिवर्तन

1. विघटित परिवारों की संख्या में वृद्धि
2. पुत्र द्वारा अपने माता-पिता से अलग रहने की प्रवृत्ति में वृद्धि
3. माता-पिता भी पुत्र से अलग रहने की ओर उन्मुख
4. द्विपक्षीय नातेदारी प्रचलित एवं परिवार में मातृ पक्ष के प्रभाव में वृद्धि
5. पुनः नगरों में संयुक्त परिवार के प्रति रुझान

में वृद्धि

6. भारत में भी लिव-इन रिलेशनशिप का प्रचलन बढ़ा है और बिना विवाह परिवार निर्माण की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है।

7. हाल में पश्चिमी देशों के तर्ज पर भारत में भी समलैंगिक संबंधों को मान्यता दे देने से समलैंगिक विवाहों की संभावना में वृद्धि हुई है।

मूल्यांकन -:

उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि आज भारत में संयुक्त परिवार के रचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक पक्षों में तीव्र परिवर्तन हुआ है और इस परिवर्तन की दिशा निश्चित रूप से एकाकी परिवार की ओर है।

परंतु यहां यह भी उल्लेखनीय है कि - आज मुख्यतः संयुक्त परिवार के गृहस्थी आयाम (Household Dimension) में परिवर्तन हुआ है जहाँ यह एक से अधिक गृहस्थी में बंट गया है और आकार छोटा हो रहा है।

परंतु अलग रहते हुये भी यह एकाकी परिवार संयुक्तता की भावना के आधार पर एक-दूसरे से जुड़े हुये हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
© KHAN SIR

हिन्दू विवाह एवं संयुक्त परिवार में आधुनिक परिवर्तन के कारण

⇩

1. आधुनिक मूल्य व्यवस्था
2. आधुनिक शिक्षा का प्रसार
3. लोकतांत्रिक राज्य द्वारा निर्मित कानून एवं विकास योजनाएँ
4. औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास
6. वैश्वीकरण एवं संचार क्रांति
7. कोविड-19 महामारी

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में विवाह एवं परिवार पर वैश्वीकरण का प्रभाव

⇩

A. सकारात्मक प्रभाव

1. वैश्वीकरण - रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ व्यक्ति की आत्मनिर्भरता में वृद्धि और

आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार -

⇩

फलतः परिवार में सत्ता विकेन्द्रित; महिलाओं की स्थिति में सुधार; जीवनसाथी के चुनाव में लड़के-लड़की के मत्व में वृद्धि; विवाह संबंधी निषेध कमजोर तथा अंतर्जातीय विवाह, सगोत्र विवाह एवं प्रेम विवाह में वृद्धि

2. वैश्वीकरण -

आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार

⇩

फलतः विवाह एवं परिवार से संबंधित नियमों एवं प्रथाओं का तार्किकीकरण - फलतः बाल विवाह विधवा विवाह निषेध जैसी मान्यताएँ कमजोर एवं विवाह से जुड़ी अतार्किक प्रथाओं / रूढ़ियों का उन्मूलन

3. वैश्वीकरण -

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का तीव्र विकास

⇩

फलतः विवाह में आधुनिक तकनीक का प्रयोग; प्रजनन में नवीन तकनीक का प्रयोग (Surrogacy, Test tube baby आदि); विवाह के नवीन निषेध (Blood group) का प्रचलन और परिवार में आधुनिक तकनीक के

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

प्रयोग द्वारा महिलाओं के भूमिका संघर्ष में कमी और महिलाओं द्वारा बाहरी कार्यों का सफलता पूर्वक संचालन

B. नकारात्मक प्रभाव

1. वैश्वीकरण - उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रसार - फलतः महत्वाकांक्षा एवं व्यक्तिवादिता में वृद्धि

⇩

फलतः संयुक्तता की भावना कमजोर; संयुक्त परिवार का विघटन; विवाह विच्छेद की दर में वृद्धि; दुःखी वैवाहिक जीवन तथा single Parent family (एकल अभिभावक परिवार) का विकास

2. वैश्वीकरण - एक तरफ महिलाओं की आत्मनिर्भरता, स्वतंत्रता एवं स्वच्छंदता में वृद्धि तो दूसरी तरफ पुरुषों पर पितृसत्तात्मकता के प्रभाव की निरंतरता

⇩

फलतः स्त्री पुरुष के मध्य टकराव, विवाह-विच्छेद एवं तनाव में वृद्धि

3. वैश्वीकरण - पश्चिमी संस्कृति का प्रसार एवं बाजार अर्थव्यवस्था का विकास

⇩

फलतः विवाह के नये स्वरूपों (लिव-इन रिलेशनशिप,

समलैंगिक विवाह) का उद्भव; बिना विवाह परिवार का निर्माण; विवाह का बाजारीकरण, यौन संबंधों में खुलापन आदि का प्रचलन

5. वैश्वीकरण - व्यक्ति की व्यस्तता में वृद्धि

⇓

फलतः बच्चों के पालन-पोषण, समाजीकरण एवं वृद्धों की देखभाल में परिवार की भूमिका में कमी और इसके नवीन विकल्पों (क्रेच, किंडर गार्डेन, वृद्धाश्रम आदि) का उद्भव

संभावित प्रश्न -

1. आधुनिकीकरण एवं वैश्वीकरण के विशेष संदर्भ में हिन्दू विवाह में हो रहे आधुनिक परिवर्तनों की चर्चा कीजिए। इसके लिए कौन-कौन से कारण उत्तरदायी रहे हैं?
2. 'हिन्दू विवाह एक धार्मिक संस्कार है' वर्तमान संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए और इस कथन के प्रकाश में हिन्दू विवाह में होने वाले नवीन परिवर्तनों को दर्शाइए।
3. भारतीय संयुक्त परिवार में होने वाले समकालीन परिवर्तनों को दर्शाइए। क्या आप सहमत हैं कि ये परिवर्तन संयुक्त परिवार

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

के केवल घरेलू आयाम में परिवर्तन है? उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

4. "भारत के संयुक्त परिवार में परिवर्तन केवल घरेलू आयामों में परिवर्तन को परिलक्षित करता है और संयुक्तता की भावना के साथ संयुक्त परिवार आज भी बना हुआ है।" चर्चा कीजिए।

5. "भारतीय एकाकी परिवार औद्योगिकीकरण का उत्पाद है"। इस कथन के प्रकाश में संयुक्त परिवार में होने वाले आधुनिक परिवर्तन के कारणों की चर्चा कीजिए।

6. "भारत में वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने विवाह एवं परिवार संस्था को कमजोर किया है।" चर्चा कीजिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR